# मजदुरी हमरा सभक अधिकार

1073

एके कामके लेल जनिजाइत आ मरदके बेइन बराबर दिए परत।

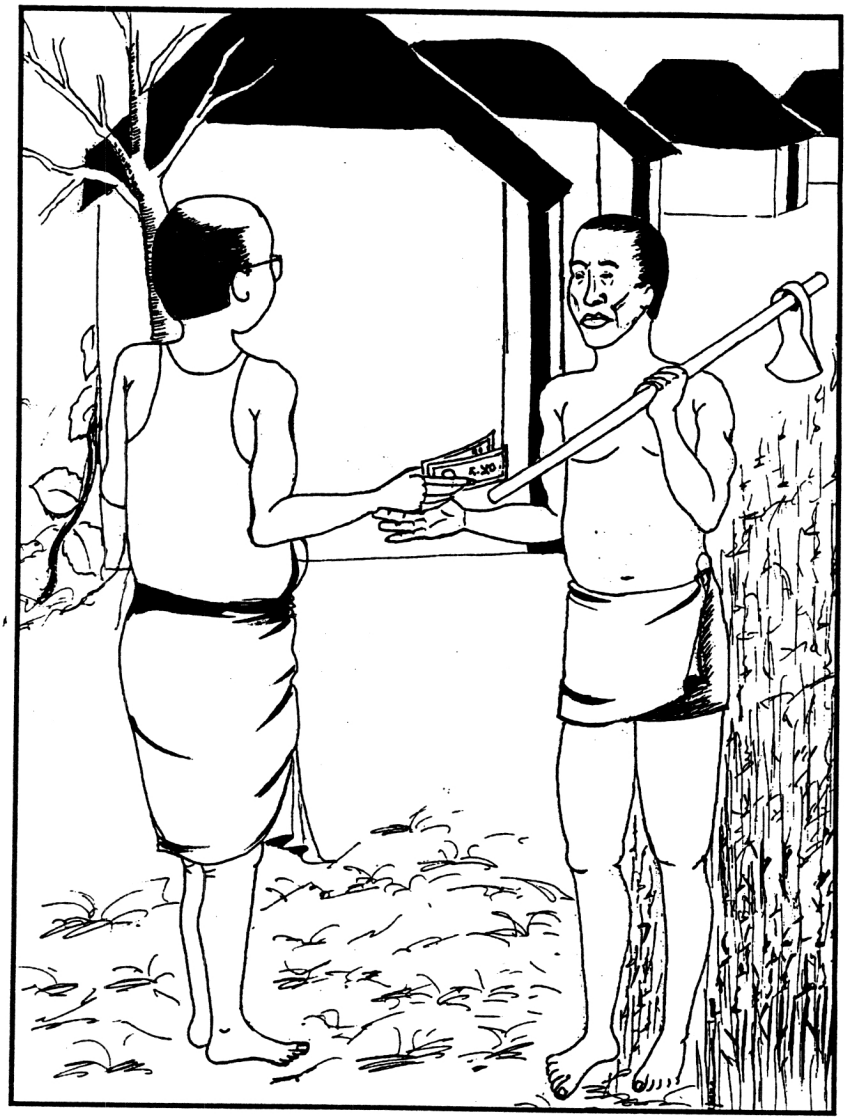

कृषि मजदुरके आठ घण्टा काम, कमसेकम
बोइन साइठ रुपैया दाम।

- श्री ५ के सरकार ०५६ पुस २९ गतेके दिन नेपाल अधिराज्य भैर लागु करवाक हेतु कृषि मजदुर सबके लेल कमसे कम बोइन और काम करैके निश्चित समय निर्धारण कैने छैत।
- हरुवा, चरुवा और खेतपातमे बोइन ल के काम करैबाला सब कृषि मजदुर ची।
- कृषि फारम, पशुपंक्षी पालन, फलफूल खेतिमे बोइन ल के काम करैबाला कामदार सब सोहो कृषि मजदुर ची।
- आठ घण्टातकके काम के एक दिन मानल जाइत अइछ।
- कृषि मजदुर सब आठ घण्टाकाम करलाके बाद कमसे कम साइठ रुपैया मजदुरी मिलबाके चाही।
- यी ब्यवस्था नेपाल अधिराज्य भैरके कृषि मजदुरसब के लेल अइछ।

एके कामके लेल जनिजाइत आ मरद्दके
बोइन बराबर दिए पस्त।

- जनिजाइत आ मरद समाजके अभिन्न अंग ची।
- जनिजाइत आ मरद वीच भेदभाब जब तक रहत तब तक समाज अगाडी नै बैढ सकत।
- एके कामके लेल जनिजाइत आ मरद के वीच बोइन मे फरक नै कैर सकै छी। बोइन बराबर दिए परत।

एक दिनमे आठ घण्टा काम, बेसी कामके और दाम।

- आठ घण्टा कामके एक दिन मानै के परत।
- आठ घण्टासे बेसी समय तक काम करला पर एक घण्टाके कम से कम साढ़े सात रुपैया थैप के बोइन दिए परत।

चौध बरष से कम उमेरके बाल बच्चा सबके
काममे नै लगाउ, बालश्रमके विरोधमे अभियान
चलाउ ।

- बाल बच्चासब अपना सबके भबिष्य ची।
- चौध बरष से कमके बाल बच्चासब शारीरिक आ मानसिक रुपमे कमजोर रहै छै।
- चौध बरष से कमके बाल बच्चासब के लिखपढ करैके, खाइ पिऐके, खेलै कुदैके और पालन पोषनके उमेर ची।
- तहि दुवारे बाल सबके काममे नै लगाबै के चाही।

तोकलाहा बोइन से बेसी बोइन दया रहल चि त
नै घटा सकै ची।

- कोनो ठाममे दिनके बोइन साइठ रुपैया लागू हैसे पहिले साइठ रुपैया से बेसी बोइन लै दै के चलन रहै त बोइन नै घटा सकै ची।
- साइठ रुपैया या चलन चल्तीमे रहल बोइनसे बेसी जतेक भी लया दया सकै ची।

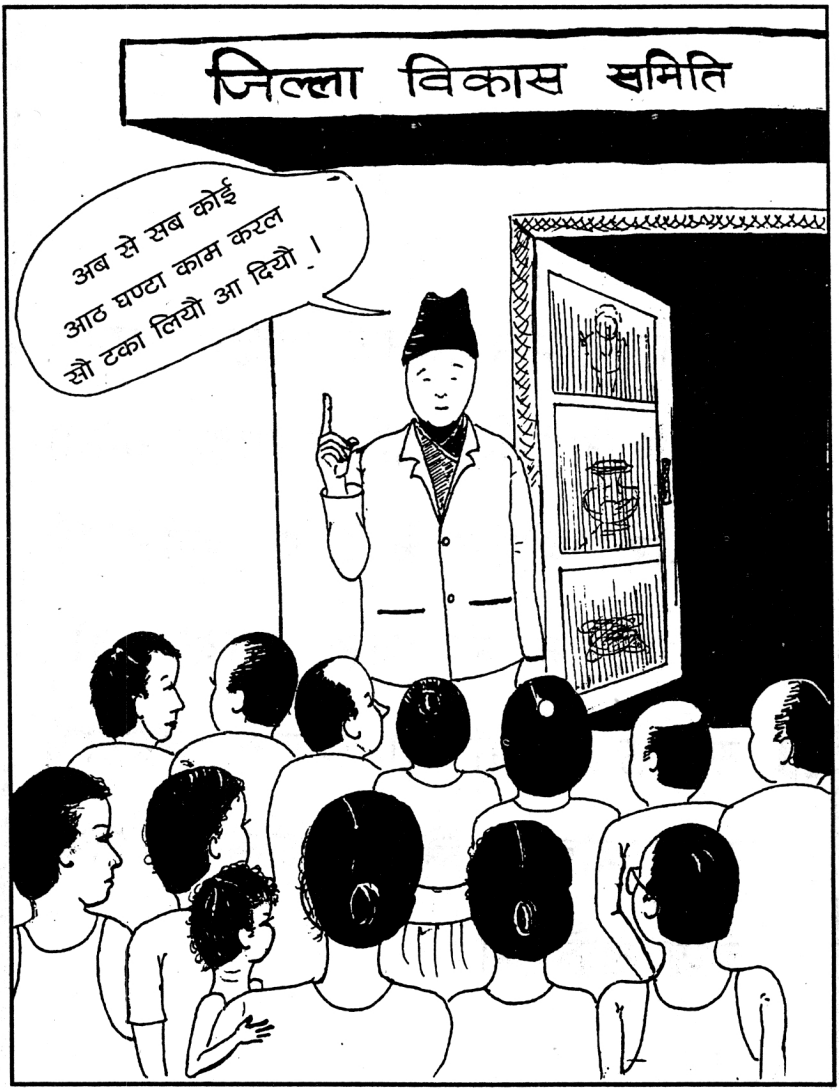


जिल्ला विकास समिति सोहो सरकारके तोकलाहा बोइनमे नै घटाएके स्थानीय रुपमे बोइन तोइक सकै छै।

❑ आठ घण्टाके साइठ रुपैया से नै घटाएके जिल्ला बिकास समिति सोहो अपन जिल्ला भैर बोइन तोइक सकै छै।

चौध से सोरह बरषके उमेर ची हमर करैले सकब
हल्लका छ घण्टा तक काम ।

- चौध से सोरह वरषके नावालिक जन सबके हल्का आ सहज काममे मात्र लगाए परत।
- चौध से सोरह बर्षके नावालक कामदार सबके दिनके छ घण्टा और एक हप्ताके छतिस घण्टासे बेसी काममे नै लगा सकै ची।

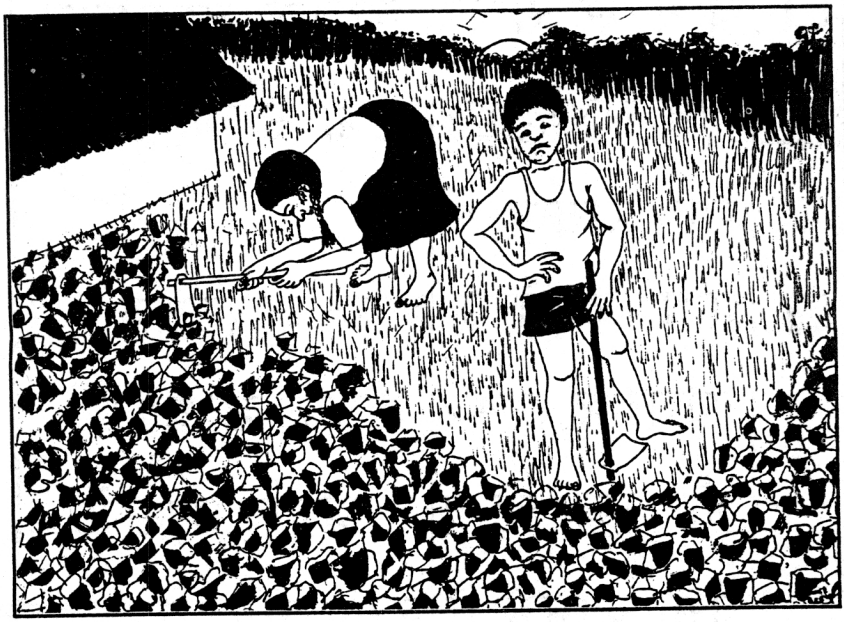

सोरह से अठार वरिषके बालबच्चा सबके भीरगर
काममे जबरजस्ती नै लगा सकै ची ।

- सोरह से अठार वरषके नावालिक सबके विहान छ वजे से साँझ छ वजे तक के समय मे मात्र काममे लगा सकै ची।
- सोरह से अठार वरष के नावालिग सब के राइत आ खतरनाक काम मे नै लगा सकै ची।
- सोरह से अठार वरष के नावालिग सब के राइत मे काम लगावै परतै त नावालिग कामदार आ कृषकके आपसी समझदारीसे मात्र काम लगा सकै ची।

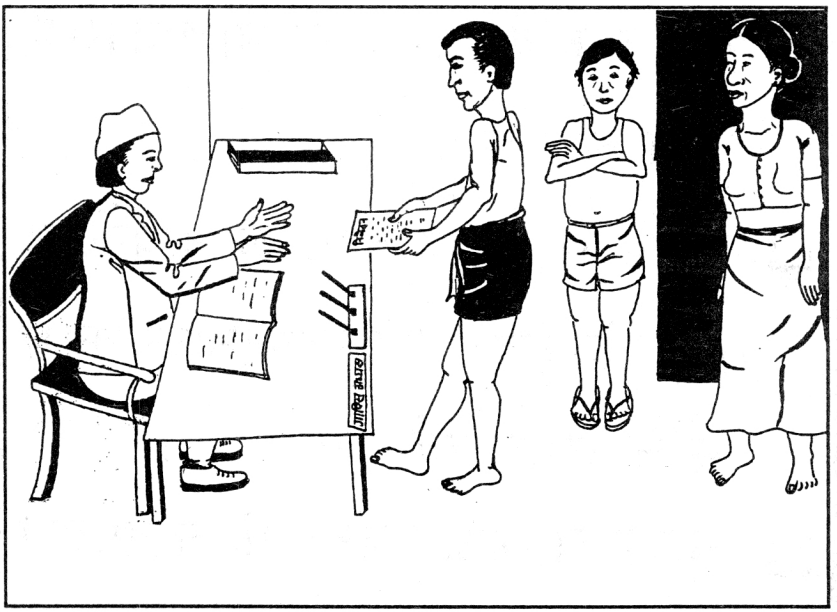

कृषि मजदूर सबके तोकल बोइन नै मिलत त अपन गाविस या नगरपालिकामे उजूर दया सकै ची।

- उपर लिखल अनुसार ककरो वोइन नै भेटल त अपन गा.वि.स. या नगरपालिकामे लिखित उजुरी दिए परत।
- लिखित उजुरी परलाके वाद गा.वि.स आ नगरपालिकासे सम्वन्धित लोग से तोकलाहा बोइन दिया सकै ची।
- गाविस आ नगरपालिका सब समय समयमे बोइन जाँचपरताल कैर सकै ची।

# बोइन हमर अधिकार

- दिनमे आठ घण्टासे बेसी काम करेलापर और बेसी बोइन दिय परत ।
- एक घण्टा कामके साढे सात रूपैया से कम बोइन दैल नै मिलत ।
- एक दिनके साठ रूपैया से बेसी जते भि बोइन द सकै चि ।
- जनियायत या मरदके फरक फरक बोइन करैल नै मिलत ।
- चौध वर्ष से कम उमरके बालबच्चासे काम नै करा सकै चि ।
- साठ रूपैया से बेसी बोइन मिलैबालाके कम नै कर सकै चि ।

मानव अधिकार र सामाजिक न्यायको निम्ति

अनौपचारिक क्षेत्र सेवा केन्द्र (इन्सेक)

स्यूचाटार, कलंकी, काठमाण्डौ